एस आर डी ए वी पब्लिक स्कूल, पुपरी

कक्षा – **दशम** विषयः **हिन्दी**

नेताजी का चश्मा

1. कस्बे की बनावट कैसी थी ?
2. नगरपालिका कौन–कौन से काम करवाती थी ?
3. नेताजी की मूर्ति की बनावट कैसी थी ?
4. नेताजी की मूर्ति की कौन–सी कमी खटकती थी ?
5. मूर्तिकार के द्वारा मूर्ति बनाकर पटक देने के पीछे क्या भाव था ?
6. देशभक्ति की भावना आजकल मजाक की चीज क्यों बनती जा रही है ?
7. स्थानीय कलाकार को मूर्ति बनाने का जिम्मा देने के पीछे क्या कारण था ?
8. 'महत्व मूर्ति के रंग–रुप का नही, उसके कद का नही बल्कि उस भावना का है।' ऐसा क्यों कहा गया है ?
9. मूर्ति को देखकर हालदार साहब के चेहरे पर कौतुक भरी मुस्कान का क्या कारण था ?
10. पान वाले का रेखाचित्र प्रस्तुत करें।
11. चश्मेंवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?
12. चश्मेंवाले के व्यक्तित्व का चित्रण करें।
13. 'वह लंगड़ा क्या जाएगा फौज में। पागल है पागल।' पानवाले की कैप्टन के प्रति इस टिप्पणी पर अपना विचार व्यक्त करें।
14. नेताजी की आँखों पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है ?
15. नेताजी की आँखों पर सरकंडे का चश्मा देखकर हालदार साहब भावुक क्यों हो गये ?
16. हम सभी किस–किस रुप में कार्य करके अपने देश के प्रति प्रेम प्रकट

कर सकते है ?

17. चौराहे पर लगी किसी देशभक्त की मूर्ति के प्रति हमारे क्या कर्तव्य होने चाहिए ?

18. चश्मेवाला बार–बार नेताजी का चश्मा क्यों बदल देता था ?

19. कैप्टन चश्मेवाले का कौन–सा चित्र हालदार साहब के मानस–पटल पर घूम रहा था ?

20. कौन–सी बात पान वाले के लिए मजेदार एवम् हालदार साहब के लिए द्रवित करने वाली थी ?

21. 'बार–बार सोचते..... मौके ढूँढ़ती है।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।